रडार और सैन्य संचार में शोध व विकास का गढ़ बनेगा यूपी

यूपीडा ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ किया समझौता

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश का डिफेंस कॉरिडोर रक्षा जरूरतों व तकनीक में मील का पत्थर साबित होगा। मिसाइल और विमानों के मैटेरियल परीक्षण सेंटर के बाद लखनऊ-कानपुर नोड में रडार व सैन्य संचार का परीक्षण केंद्र भी बनेगा। ये केंद्र भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (बीईएल) के सहयोग से आईआईटी कानपुर स्थापित किया जाएगा। इस साल दिसंबर में यह शुरू भी हो जाएगा। इसका नाम कम्युनिकेशन (डिफेंस) टेस्टिंग फाउंडेशन रखा गया है।

वर्ष 2025 तक 250 अरब डालर के साथ भारत दुनिया में एक प्रमुख एयरोस्पेस और रक्षा बाजार होगा। यूपी डिफेंस कॉरिडोर में रक्षा क्षेत्र के लिए अलग-अलग शोध परीक्षण केंद्रों की स्थापना की जा रही है। डिफेंस कॉरिडोर में ये शुरुआत देश में पहली बार की गई है। इसका मकसद अत्याधुनिक परीक्षण बुनियादी ढांचे की कमी दूर करना है। ऐसे सेंटर हर रक्षा औद्योगिक इकाइयों के लिए स्थापित करना काफी कठिन है। डिफेंस संबंधी ऐसी तकनीकी सुविधाओं को समय पर पूरा करने और प्रभावी ढंग से चलाने के लिए यूपीडा को कार्यान्वयन प्राधिकरण के रूप में नामित किया गया है।

इस योजना के तहत यांत्रिक व सामग्री परीक्षण, रडार और संचार व ड्रोन (मानवरहित हवाई प्रणाली) के क्षेत्र में तीन रिसर्च सेंटर बनेंगे। इन पर 156.3 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इनमें से परियोजना की लागत का 75 फीसदी यानी 117.6 करोड़ रुपये रक्षा मंत्रालय अनुदान के रूप में देगा।

शुक्रवार को डिफेंस कॉरिडोर के तहत परियोजनाओं के लिए यूपीडा ने संचार (रक्षा) परीक्षण फाउंडेशन (सीडीटीएफ) के साथ एक अनुबंध समझौता किया। लोक भवन में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और सीईओ संचार (रक्षा) परीक्षण फाउंडेशन (सीडीटीएफ) पुनीत कुमार जैन की मौजूदगी में यूपीडा के सहायक मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीहरि प्रताप शाही, बीईएल, आईआईटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने समझौते पर दस्तखत किए।

इसके मुताबिक बीईएल, बीईएमएल लि., हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि., एडवांस्ड वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लि.और आईआईटी कानपुर के बीच स्पेशल परपज व्हैकिल (एसपीवी) के तहत आईआईटी कानपुर में रक्षा संचार उपकरण परीक्षण सुविधा की स्थापना के लिए टेक्नोपार्क की स्थापना की जाएगी। एसपीवी का नेतृत्व बीईएल करेगा, जिसे सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और प्रणालियों का खासा अनुभव है।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की मौजूदगी में लखनऊ-कानपुर नोड में बनने वाले रडार व सैन्य संचार के परीक्षण केंद्र के लिए यूपीडा ने संचार परीक्षण फाउंडेशन के साथ अनुबंध किया। -यूपीडा

आईआईटी कानपुर में बनेगा टेक्नोपार्ट, संचार उपकरणों पर होगा काम